हम कोई गैर नहीं

हम कब से पड़े है शरण है तुम्हारी सुनलो सावंरिया ,
हम कोई गैर नहीं ॥
नौकर तेरे दरबार के हम है सुनलो सावंरिया ,
हम कोई गैर नहीं ॥

गुजरा हुआ हर पल हमें याद आता है -॥
तेरे सिवा हमको ना कोई भाता है॥
मेरी लाज तुम्हारे हाथ है सुनलो सावंरिया ।
हम कोई गैर नहीं...... ॥

अपनों से सावंरिया परहेज है कैसा ॥
देखा ना दुनिया में दिलदार तुम जैसा ॥
हम तेरे आसरे कब से बैठे सुनलो सावंरिया ।
हम कोई गैर नहीं...... ॥

बस इतनी तमन्ना है दीदार हो तेरा
कही बिखर न जाए श्याम अनमोल प्यार मेरा
अब निर्मोही न बनो 'ओम' की सुनलो सावंरिया
हम कोई गैर नहीं...... ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1923/title/hum-koi-gair-nahi-hum-kab-se-pade-hai-sharn-hai-tumhari-sunlo-sanwariye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |